‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 व फ्यूचर लर्निंग’ पर वेबिनार

जानकारी

- पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से किया आयोजन
- उच्च शिक्षा में आइसीटी के उपयोग की दी जानकारी

संस, बठिंडा : पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल आफ मैनेजमेंट की ओर से कुलपति प्रो. राघवेंद्र पी तिवारी की प्रधानगी में ‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और फ्यूचर लर्निंग’ विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

इस अवसर पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से प्रो. संतोष रंगनेकर मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे। प्रो. तिवारी ने एनईपी-2020 के नवीन सुधारों जिसमें विशेष रूप से उच्च शिक्षा में आइसीटी के उपयोग के साथ शिक्षण पदति का निर्माण करना, मूल्यांकन पद्धति का आधुनिकीकरण करना आदि को लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि एनइपी-2020 के शैक्षणिक क्रेडिट बैंक जैसे सुधारों के साथ अब छात्र अपनी पसंद के पाठ्यक्रम सीख सकते हैं और क्रेडिट कमा सकते हैं। शिक्षा क्षेत्र में आइसीटी को अपनाने के साथ, उच्च शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करना, आलोचनात्मक सोच विकसित करना और नए ज्ञान का निर्माण करना होगी।

मुख्य वक्ता प्रो. संतोष रंगनेकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर प्रतिभाशाली जनशक्ति की कमी में वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम का उद्देश्य 21वीं सदी की कुशल जनशक्ति बनाने पर केंद्रित होना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगींण विकास हो सके।

कार्यक्रम की शुरुआत डीन छात्र कल्याण प्रो. विनोद के गर्ग द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। इसके बाद, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आनंद ठाकुर ने वेबिनार के विषय पर प्रकाश डाला और मुख्य वक्ता का परिचय दिया। डीन इंचार्ज अकादमिक प्रो. आरके वुसिरिका ने एनईपी 2020 और फ्यूचर लर्निंग के विषय पर नई अंतर्दृष्टि सांझा करने के लिए प्रो. रंगनेकर की सराहना की। उन्होंने कहा कि युनिवर्सिटी की ओर से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करवाए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को जानकारी मिल सके।